आत्मकथ्य

Question 1.
'विडंबना' में छिपा अर्थ बताइए।
(a) दुर्भाग्य
(b) निराशा और उपहास दोनों
(c) छल
(d) कातर

▼ Answer

Answer: (b) निराशा और उपहास दोनों
निराशा और उपहास दोनों ही हैं।

Question 2.
'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ' पंक्ति में निहित अलंकार स्पष्ट कीजिए।
(a) दृष्टांत अलंकार
(b) उपमा अलंकार
(c) प्रश्न अलंकार
(d) उत्प्रेक्षा अलंकार

▼ Answer

Answer: (c) प्रश्न अलंकार
प्रश्न अलंकार है। प्रश्न शैली का प्रयोग है।

Question 3.
कवि कैसा स्वप्न देखकर जाग गया ?
(a) डरावना
(b) सुखद स्वप्न
(c) दुःखद स्वप्न
(d) ऐसा स्वप्न जिसकी उन्हें प्राप्ति ही नहीं हुई

▼ Answer

Answer: (d) कवि जिसे चाहता था वह उसे स्वप्न में भी नही मिल पाया।

Question 4.
'मुसक्या कर' का प्रयोग किस प्रकार का है ?
(a) छायावादी प्रयोग
(b) ठेठ बनारसी प्रयोग
(c) खड़ी बोली का प्रयोग
(d) अवधी का प्रयोग

▼ Answer

Answer: (b) ठेठ बनारसी प्रयोग
बनारस में यह शब्द आम बोलचाल में प्रयोग होता है।

Question 5.
कवि ने भोर को कैसा माना है ?
(a) सुखद
(b) सुहावना
(c) प्रेम और लाली से मुक्त
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी
भोर सुखद, सुहावनी व प्रेम और लाली से युक्त है।

Question 6.
कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है ?
(a) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा
(b) दुःखी कर देने वाले पल के रूप में
(c) अपनी पत्नी के रूप में
(d) अपनी प्रेयसी के रूप में

▼ Answer

Answer: (a) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा
कवि के जीवन में जो सुखद क्षण आए वह उन क्षणों को संजोकर रखना चाहता है ताकि वे उनके जीवन का सहारा बन सकें।

Question 7.
'सीवन' को उधेड़ने का अर्थ क्या है ?
(a) हृदय को चीरकर दिखाना
(b) दिल को ठेस पहुँचाना
(c) मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना
(d) दूध का दूध पानी का पानी कर देना

▼ Answer

Answer: (c) मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना
सीवन को उधेड़ना मन की गहराइयों में दबी बातों को पुनः प्रकाशित करना है।

Question 8.
'कथा' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?
(a) अपने मित्रों के लिए
(b) अपने जीवन इतिहास के लिए
(c) अपने अंतर्मन के लिए
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) अपने अंतर्मन के लिए
कवि ने कंथा का प्रयोग अपने अंतर्मन के लिए किया हैं।

Question 9.
'कथा' का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
(a) रास्ता
(b) प्रियतम
(c) जीवन
(d) गुदड़ी

▼ Answer

Answer: (d) गुदड़ी
कथा का शाब्दिक अर्थ गुदड़ी अर्थात् रजाई है।

Question 10.
'छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ' इस पंक्ति से जयशंकर प्रसाद के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है ?
(a) वे बड़े कवि नहीं थे
(b) वे बहुत विनम्र थे उनको अहंकार छू तक न गया था
(c) उन्होंने अभी-अभी साहित्य जगत् में कदम रखा था
(d) वे अपने आपको बड़ा साहित्यकार समझते थे

▼ Answer

Answer: (b) वे बहुत विनम्र थे उनको अहंकार छू तक न गया था
जयशंकर प्रसाद विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे अहंकार उनको दूर-दूर तक छू भी नहीं गया था।

Question 11.
कवि ने अपनी कथा को कैसा माना है ?
(a) टेढ़ी
(b) भोली और सीधी-साधी
(c) रहस्यमय
(d) प्रेरणाप्रद

▼ Answer

Answer: (b) भोली और सीधी-साधी
कवि अपनी कथा को भोली-भाली व सीधी-साधी माना है।

Question 12.
कवि की मौन व्यथा हृदय में क्या कर रही है ?
(a) थककर सो रही है
(b) हृदय को पीड़ित कर रही है
(c) किसी भूचाल की प्रतीक्षा कर रही है
(d) जागने का इंतजार कर रही है

▼ Answer

Answer: (a) थककर सो रही है
मौन व्यथा हृदय में थककर सो रही है।

Question 13.
'आत्म-कथ्य' कविता में कौन-सा गुण विद्यमान है ?
(a) ओजगुण
(b) प्रसादगुण
(c) माधुर्यगुण
(d) सगुण भक्ति

▼ Answer

Answer: (b) प्रसादगुण
प्रसाद गुण प्रसाद जी के साहित्य की विशेषता है।

Question 14.
जयशंकर प्रसाद किस वाद के प्रवर्तक कवि थे ?
(a) छायावाद
(b) प्रयोगवाद
(c) प्रगतिवाद
(d) हालावाद

▼ Answer

Answer: (a) छायावाद
जयशंकर प्रसाद को छायावाद का प्रवर्तक कवि माना जाता है।

Question 15.
प्रसाद जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
(a) सन् 1889 में लखनऊ में
(b) सन् 1836 में काशी में
(c) सन् 1889 में काशी में
(d) सन् 1903 में छपरा में

▼ Answer

Answer: (c) सन् 1889 में काशी में।

Question 16.
निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जयशंकर प्रसाद की नहीं है ?
(a) कामायनी
(b) परशुराम की प्रतीक्षा
(c) आँसू
(d) प्रेम-पथिक

▼ Answer

Answer: (b) परशुराम की प्रतीक्षा
परशुराम की प्रतीक्षा दिनकर की रचना है।

Question 17.
निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास प्रसाद जी का नहीं है ?
(a) कंकाल
(b) तितली
(c) इरावती
(d) पुनर्नवा

▼ Answer

Answer: (d) पुनर्नवा
पुनर्नवा उपन्यास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का है।

Question 18.
'आत्मकथ्य' कविता में 'मधुप' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?
(a) भौंरे के लिए
(b) कवि ने अपने मन के लिए किया है
(c) विचलित व्यक्ति के लिए
(d) चंचल व्यक्ति के लिए

▼ Answer

Answer: (b) कवि ने अपने मन के लिए किया है
अपने मन के लिए।

Question 19.
'पत्तियों का मुरझाना' किस ओर संकेत करता है ?
(a) सूखे की ओर
(b) पेड़ के सूखने की ओर
(c) मन में उत्पन्न दुःख और आनंद के भावों के मिट जाने की ओर
(d) मृत्यु की ओर

▼ Answer

Answer: (c) मन में उत्पन्न दुःख और आनंद के भावों के मिट जाने की ओर
पत्तियों के सूखने से कवि के हृदय के दुख का पता चलता है।

Question 20.
कवि ने 'असंख्य जीवन इतिहास' किसे कहा है ?
(a) मानव मन में उत्पन्न विचार
(b) महापुरुषों की दास्तान
(c) इतिहास के अनेक ग्रंथ
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (a) मानव मन में उत्पन्न विचार
मानव-मन में उठने वाले विचार ही असंख्य इतिहास हैं।

Question 21.
'रीती गागर' का प्रतीकार्थ क्या है ?
(a) खाली घड़ा
(b) विचार-शून्य मन
(c) अपशकुन का प्रतीक
(d) अभावग्रस्त जीवन का प्रतीक

▼ Answer

Answer: (d) अभावग्रस्त जीवन का प्रतीक
प्रसाद जी का जीवन अभावों से ग्रस्त रहा।

Question 22.
'आत्मकथ्य' कविता की भाषा कैसी है ?
(a) प्रतीकात्मक
(b) संस्कृत निष्ठ
(c) गूढ़
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी
आत्मकथ्य कविता की भाषा प्रतीकात्मक, गूढ़ एवं संस्कृत निष्ठ है।

Question 23.
'आत्मकथ्य' कविता की भाषा कैसी है ?
(a) वर्णनात्मक शैली
(b) विवेचनात्मक शैली
(c) आत्मकथात्मक एवं छायावादी शैली
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) आत्मकथात्मक एवं छायावादी शैली
कवि अपने बारे में बहुत थोड़ा बता रहा है इसलिए आत्मकथात्मक शैली है। छायावादी शैली की प्रमुखता तो उनकी सभी कविताओं में देखने को मिलती है।

Question 24.
'अरी सरलते' के प्रयोग से कवि का क्या भाव प्रकट हुआ है ?
(a) अपनत्व का भाव
(b) विद्वेष का भाव
(c) अनासक्ति का भाव
(d) निर्लिप्तता का भाव

▼ Answer

Answer: (a) अपनत्व का भाव
कवि के हृदय का अपना मन प्रकट हुआ है।

Question 25.
'उज्ज्वल गाथा' में निहित प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।
(a) इस प्रयोग से कवि का अलगाव भाव प्रकट होता है
(b) इस प्रयोग से कवि प्रेम और अपनत्व का भाव प्रकट होता है
(c) इस प्रयोग से पता चलता है कि वे भौतिक सुखों में लिप्त नहीं थे
(d) वे किसी को अपने बारे में कुछ नहीं बताना चाहते थे

▼ Answer

Answer: (b) इस प्रयोग से कवि प्रेम और अपनत्व का भाव प्रकट होता है
इस प्रयोग से कवि का प्रेम एवं अपनत्व प्रकट हो रहा है।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

Question 1.
कवि ने यहाँ अपने जीवन के किस पक्ष का उल्लेख किया है ?
(a) सुखद पक्ष का
(b) दुःखद पक्ष का
(c) बचपन का
(d) वृद्धावस्था का

▼ Answer

Answer: (b) दुःखद पक्ष का
जीवन के दुःखद पक्ष का।

Question 2.
पत्तियों का मुरझाना किस ओर संकेत करता है ?
(a) मृत्यु की ओर
(b) सूखे की ओर
(c) ढलती उम्र एवं जीवन के आनंद की समाप्ति की ओर
(d) जीवन की कठिनाइयों की ओर

▼ Answer

Answer: (c) ढलती उम्र एवं जीवन के आनंद की समाप्ति की ओर।

Question 3.
मधुप किसे कहा गया है ?
(a) मन रूपी भौरे को
(b) भौरे को
(c) शहद पीने वाले को
(d) इनमें से कोई नहीं ।

▼ Answer

Answer: (a) मन रूपी भौरे को।

Question 4.
कवि ने गागर रीति किसे कहा है?
(a) खाली घड़े को
(b) अभावपूर्ण जिन्दगी को
(c) अज्ञानता को
(d) अपने रिक्त जीवन को |

▼ Answer

Answer: (d) अपने रिक्त जीवन को।

Question 5.
यह किस काल की रचना है?
(a) भक्तिकाल
(b) रीतिकाल
(c) छायावादी युग
(d) आदिकाल |

▼ Answer

Answer: (c) छायावादी युग
छायावादी युग की रचना है।

---

(2)

यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

Question 1.
कवि यहाँ किस विडंबना की बात कर रहा है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि अपने जीवन की कथा लोगों को कैसे बताए
- कवि अपनी हँसी नहीं उड़वाना चाहता
- कवि अपने साथ हुए विश्वासघात को उजागर नहीं करना चाहता था।

Question 2.
अपने जीवन की उज्ज्वल गाथा क्यों नहीं गाना चाहता?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि का जीवन सुखद नहीं रहा
- कवि जिसे पाना चाहता था वह सुख उन्हें नहीं मिला नि कवि अपने उन क्षणिक सुखों को अपने जीवन का संबल बनाना चाहता है।

Question 3.
कवि के जीवन में सुख किस प्रकार आए ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- स्वप्न की भांति
- उनको सुख प्राप्त ही नहीं

Question 4.
कवि जीवन में कैसे सुखों की कामना करता था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- ऐसे सुख जो उनको आनंद-विभोर कर दें
- उनको प्रिया का साथ मिले।

Question 5.
उज्ज्वल गाथा में निहित प्रतिकार्थ स्पष्ट कीजिए ।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि ऐसा कहकर अपने हृदय का अपनत्व प्रकट करता है।

---

(3)

उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज करें
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

Question 1.
कवि एवं कविता का नाम लिखिए ।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि : जयशंकर प्रसाद
- कविता : आत्मकथ्य।

Question 2.
कवि ने किसको पाथेय माना है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जीवन में सुखद क्षणों को
- वह सुखद समय जो स्वप्न की भाँति उनके जीवन में आया।

Question 3.
'सीवन' को उधेड़ने से कवि का क्या आशय है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पुरानी बातों को दोहराना
- दुःख को बढ़ाना।

Question 4.
कवि मौन रहना क्यों चाहता है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि के पास अपनी कथा सुनाने के लिए कुछ नहीं
- कवि अपने को बड़ा कवि नहीं मानता
- कवि दूसरों की सुनना ज्यादा अच्छा समझता

Question 5.
कवि अपनी व्यथा को मौन ही रखना चाहता है, क्यों?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- व्यथा जागेगी तो पीड़ा पहुँचेगी
- कवि अपने जीवन को और दुखी नहीं बनाना नहीं चाहता।

लघूत्तरीय प्रश्न

Question 1.
कवि ने मधुप, पत्तियाँ, अनंत नीलिमा और जीवन इतिहास का प्रयोग क्यों किया है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- अपने दुख को प्रकट करने के लिए
- अपनी भावनाओं को शब्द देने के लिए।

Question 2.
गागर रीती से कवि का क्या अभिप्राय है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- अभावग्रस्त जीवन
- जीवन में सुखों का अभाव।

Question 3.
विडंबना में छिपा अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- दूसरों का उपहास उड़ाना निराशा की बात है
- कवि ऐसा नहीं कर सकता।

Question 4.
सीवन को उधेड़ने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- हृदय में छिपी पुरानी बातों को उजागर करना
- पुरानी बातों को फिर दोहराना।

Question 5.
कवि किस की हँसी नहीं उड़ाना चाहता?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- अपनी दुर्बलताओं की
- अपने मित्रों की।

Question 6.
कवि अपनी कथा कहने के प्रस्ताव को क्या कहकर ठुकरा देता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- उनकी मौन व्यथा सोई पड़ी है
- उसे सोने दो अभी कथा कहने का समय भी नहीं है।

Question 7.
निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए –
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में ।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि के जीवन में सुख स्वष्न की भाँति आए जो स्थिर नहीं रहे
- कवि की प्रेयसी बहुत सुंदर थी; जिसे भुलाना उनके लिए असंभव है।